कृषि रोडमैप बनाने के लिये भेजे जायेंगे सुझाव

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 24 फ़रवरी। किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'कृषि मंथन 2026' का मंगलवार

कृषि विश्वविद्यालय में किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हुए कृषि मंथन - 2026 का समापन

को भव्य समापन हुआ। इस आयोजन में देशभर से आए कृषि वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं और किसानों ने हिस्सा लिया। साथ ही आपसी विचार मंथन कर मध्यप्रदेश की कृषि का भविष्य गढ़ने के लिये सार्थक सुझाव दिए। ज्ञात हो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी

बीते रोज कृषि विचार मंथन के प्रतिभागियों को वर्चुअल संबोधित किया था।

कृषि मंथन में खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस), जलवायु परिवर्तन, उच्च तकनीकयुक्त उद्यानिकी, बीज सुधार, डिजिटल कृषि और बाजार सुधार जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। मंथन से निकले सुझावों को कृषि योजना बनाने के लिये शासन को भेजा जायेगा। कार्यक्रम के अंत मे प्रगतिशील किसान, शोधार्थी, इन्टरपेन्योर, एवं बेहतर प्रदर्शनी लगाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि मंथन से निकले 'अमृत' रूपी सुझावों को शासन तक पहुंचाया जाए और विश्वविद्यालय उन्हें परियोजनाओं में बदलकर कृषि अनुसंधान व नवाचार को नई दिशा दे।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने कहा कि यह कृषि मंथन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदृष्टि का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों, किसानों और वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाकर 'आत्मनिर्भर भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा इस आयोजन में आईसीएआर के उपमहानिदेशकों से विमर्श कर देशभर के कृषि संस्थानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंथन से निकले सुझाव शासन को तो भेजे ही जाएंगे. निदेशक आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद डॉ. वी.के. सिंह ने कहा कि समुद्र मंथन की तरह इस कृषि मंथन से जो अमृत निकला है, उसे कृषि संस्थान लागू करें। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को वैज्ञानिकों की सिफारिशों के आधार पर प्रदेश के लिए एक ठोस एक्शन प्लान तैयार करना चाहिए, जिसमें शिक्षा, अनुसंधान, और प्रसार को समान महत्व दिया जाए।

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार

राज्य के विभिन्न जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गईं। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार मिला। अतिथियों ने वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह सहित कृषि विज्ञान केन्द्र की पूरी टीम को प्रथम पुरूस्कार से नवाजा गया। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से मुर्गी पालन, प्राकृतिक तकनीकी संसाधन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं अन्य उद्यानिकी व कृषि की उन्नत तकनीकियों को दर्शाया गया था।

सुंदरकांड के साथ आज होगा ग्वालियर मेला का समापन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 24 फ़रवरी। ग्वालियर व्यापार मेले का 25 फरवरी को सुंदरकांड के पाठ के साथ समापन किया जाएगा । समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को संभागीय आयुक्त

समापन समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी होंगे सम्मानित

प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे।

ग्वालियर मेला प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2025-26 में आयोजित व्यापार मेला की अवधि 25 दिसम्बर से 25 फरवरी निर्धारित की गई थी। मेले का औपचारिक समापन सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ सम्पन्न किया जाएगा। सुन्दरकाण्ड का पाठ म.प्र. एक्सपोर्ट सेन्टर के बाहर सांस्कृतिक मंच पर शाम 5 बजे से प्रारम्भ होगा। इस अवसर पर

संभागीय आयुक्त मनोज खत्री सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं मेला व्यापारी संघ के पदाधिकारी तथा व्यापारी एक साथ सुंदरकांड का पाठ करेंगे।

28 को कट जायेगी बिजली

मेला व्यापारियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये मेले में आये दुकानदारों को पैकिंग करने के लिये 26 एवं 27 फरवरी तक विद्युत आपूर्ति दी जावेगी। इसके पश्चात् 28 फरवरी को विद्युत आपूर्ति बंद कर दी जावेगी।।

आईटीएम में दो दिवसीय 'रेस' का आयोजन आज से

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 24 फ़रवरी। आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ साइंसिस द्वारा दो दिवसीय 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन 'रेस' (रीसेंट एडवासिज केमिक एंड एन्वायरमेंटल साइंसिज) का आयोजन होने जा रहा है। 25 और 26 फ़रवरी को संस्थान के उस्ताद अल्लाउद्दीन खान ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहे इस राष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान-विज्ञान, पर्यावरण, तकनीकी आदि सभी विषयों पर ऑनलाइन-ऑलाइन ओरल प्रस्तुतिकरण, पोस्टर प्रस्तुतिकरण, मॉडल निर्माण आदि का विस्तार से विषय-विमर्श होगा।

संगोष्ठी समन्वयक डॉ. ऋचा कोठारीएवं संयोजिका तृप्ति पाठक ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन 'रेस' का उद्देश्य रासायनिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के समन्वय से नवीन शोध, प्रगति और अनुप्रयोग पर विचार विमर्श करना है। शोधार्थियों,

शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लागकर एआई समर्थित समाधान और सतत तकनीकों पर चर्चा करना, पर्यावरण प्रबंधन के लिए एआई के व्यावहारिक प्रयोगों को बढ़ावा देना हैं। इसके मुख्य आकर्षण चार ट्रैक हैं। जिनके अंतर्गत व्यवस्थित एवं विषय विशेषों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से सोम्य दत्ता शामिल होंगे। इनके अलावा जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रो. राजकुमार आचार्य, , प्रोफेसर नीलिमा चंदेल , प्रोफेसर आईके पात्रो अमेरिटस वैज्ञानिक , वैज्ञानिक डॉ. जस्मती सिंह , प्रोफेसर देवाशीष, डॉ. निशीथ धारिया , प्रोफेसर डॉ. आरके सारीन , डॉ. फैयाज अहमद, डॉ. असगर नबाव, डॉ. आकाश सक्सेना, डॉ. सुमन दास सहित अन्य विशेषज्ञ वक्ता शामिल होने आ रहे हैं। इस संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. ऋचा कोठारी, सह समन्वयक डॉ. मनीष शर्मा, आयोजन समिति सचिव एवंडीएसडब्ल्यू तृप्ति पाठक , सह आयोजक डॉ. रूपाली, डॉ. तियाशा सरकार शामिल हैं।

सड़कों पर 'बेसहारा' गौ माता , जिम्मेदार मौन

संजीव कुमार शर्मा

ग्वालियर 24 फरवरी. शहर की चकाचौंध के बीच एक ऐसी तस्वीर उभर रही है जो विचलित भी करती है और हमारे दोहरेपन को उजागर भी। जिन सड़कों पर गौ रक्षा के नारे गूंजते हैं, उन्हीं सड़कों के किनारों पर, नालियों और कचरे के ढेरों में गौवंश भूख से तड़पता और पॉलीथीन चबाता नजर आ रहा है। बुद्धिजीवियों का मानना है कि गाय आज श्रद्धा से ज्यादा सियासत और हंगामे का जरिया बनकर रह गई है।

दिखावे के 'सेवक', जिम्मेदारी से भागे 'पालक'- शहर में गौ सेवकों और गौ रक्षकों की बाढ़ सी है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक हंगामे करने वालों की कमी नहीं है, लेकिन धरातल पर 'गौ पालकों का अकाल पड़ा है। जो लोग गाय में 33 कोटि (या 84 हजार प्रतीकात्मक) देवताओं का वास बताते हैं, वे तब मौन हो जाते हैं जब वही गौ माता भूख से बेहाल होकर कचरा खाने को मजबूर होती है।

उदासीनता और विफलता- स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग का कहना है कि इस भयावह स्थिति के लिए केवल समाज ही नहीं, बल्कि नगर निगम और जिला प्रशासन भी बराबर के जिम्मेदार हैं। शहर में सरकारी हो या निजी गौशालाओं की स्थिति हर जगह दयनीय हैं पर कहीं भी प्रशासन की कार्रवाई नही होती, सड़कों पर घूमते आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की योजनाएं भी केवल कागजों तक सीमित हैं।

आस्था के नाम पर हंगामा, पर सेवा के नाम पर सन्नाटा

इनका कहना हैं...

सड़कों पर खुले पड़े कचरे के ढेर गौवंश के लिए 'डेथ वारंट' साबित हो रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हम गाय को पूजते तो हैं, लेकिन उसे पालने और उसकी भूख मिटाने की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। जब तक समाज 'रक्षक' से आगे बढ़कर 'पालक' नहीं बनेगा, ये तस्वीरें नहीं बदलेंगी।

जे.पी. शर्मा, रिटायर्ड पुलिस अधीक्षक

शहर की सड़कों पर दम तोड़ती गायें हमसे सवाल कर रही हैं। क्या हमारी श्रद्धा केवल नारों तक सीमित है प्रशासन और समाज को अब मिलकर जागना होगा, वरना ये 'गौ सेवा' महज एक ढोंग बनकर रह जाएगी। नगर निगम की आदर्श गौशाला में क्या जगह नहीं हैं आखिरकार इन गाय को वहा क्यों नही भेजा जा रहा है।

रेखा पाठक, समाजसेवी

गौ माता के नाम पर समाज सेवा का ढोंग करने वाले यदि एक-एक गौ माता को अपने घर में पालने लगे तो सड़कों पर एक भी गाय नजर नहीं आएगी। इसके साथ ही हमारे शहर में नगर निगम द्वारा संचालित कई गौशालाएं हैं जो लाखों रुपए खर्च करके बनाई तो गई लेकिन उसमें अब गाय नहीं रहती, ऐसे गौशाला संचालकों पर कार्यवाही होनी चाहिए।

सीता पाणिग्रही, समाजसेवी

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | SHRIRAM Finance | IDFC FIRST Bank ALWAYS YOU FIRST | BAJAJ AUTO CREDIT | L&T Finance | TATA CAPITAL Two Wheeler Loans

*नियम और शर्तें लागू. बचत 28 फरवरी 2026 तक लागू है. दर्शाई गई कुल सेविंग्स का तात्पर्य है कैशबैक से प्राप्त बचत की कुल राशि, ज़ीरो प्रोसेसिंग फ़ीस और 5 फ्री सर्विसेस (3 स्टैंडर्ड फ्री सर्विसेस और 2 अतिरिक्त फ्री सर्विसेस). फ्री सर्विस की बचत, शेड्यूल्ड लेबर चार्जेस के लिए है. लागू ऑफ़र्स, मॉडल्स/राज्यों के अनुसार बदल सकते हैं. शून्य पीएफ़ पर सेविंग्स, फ़ायनान्सर पर निर्भर करते हुए लोकेशन्स के अनुसार बदल सकती हैं. फ़ायनान्स उपलब्ध है फ़ायनान्सर के अपने स्व-निर्णय पर. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नक़ल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. पल्सर 125 ऑफ़र नेयॉन और कार्बन फ़ाइबर मॉडल्स पर.

Authorised Dealers for BAJAJ Auto Ltd.: Gwalior: Tansen Marg TIRUPATI BAJAJ 9522226003 • **Deendayal Nagar** 9522226014 • **Shinde ki Chawani** Om Advance Bajaj 9109102382 • **Sakhiya Vilas** Om Advance Bajaj 9109102385 • **City Centre** Om Advance Bajaj 9109102384 • **Jhansi Road Datia** Om Advance Bajaj, 9109170765 • **Morena** Kamadgiri BAJAJ 9329399165 • **Shivpuri** KK BAJAJ 9425156633 • **Bhind** Shankar Motors 8717894211.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95